

॥ सर्पभयनाशक मनसास्तोत्रम् ॥
.. sarpabhayanAshaka manasAstotram ..

sanskritdocuments.org

August 20, 2017

.. sarpabhayanAshaka manasAstotram ..

॥ सर्पभयनाशक मनसास्तोत्रम् ॥

Sanskrit Document Information



Text title : manasAstotram

File name : manasAstotram.itx

Category : devii, otherforms

Location : doc_devii

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Proofread by : PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

Latest update : May 5, 2017

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

August 20, 2017

sanskritdocuments.org

॥ सर्पभयनाशक मनसास्तोत्रम् ॥

ध्यानं

यारुच्यम्कवर्षाभां सर्वाङ्गसुमनोहराम् ।
नागेन्द्रवाङ्मिनीं देवीं सर्वविधाविशारदाम् ॥

श्रीनारायण उवाच -

नमः सिद्धिस्वरूपायै वरदायै नमो नमः ।
नमः कश्यपकन्यायै शंकरायै नमो नमः ॥ १ ॥

बालानां रक्षाकार्त्र्यै नागदेव्यै नमो नमः ।
नम आस्तीकमात्रे ते जरत्कार्त्र्यै नमो नमः ॥ २ ॥

तपस्विन्यै च योगिन्यै नागस्वप्ने नमो नमः ।
साध्यै तपस्थारूपायै शम्भुशिष्ये च ते नमः ॥ ३ ॥

॥ कृत्वश्रुतिः ॥

धृति ते कथितं लक्ष्मि मनसाया स्तवं मडत् ।
यः पठति नित्यमिदं श्रावयेद्वापि भक्तिः ॥

न तस्य सर्पभीतिर्वै विषोऽध्यमृतं भवति ।
वंशजानां नागभयं नास्ति श्रवणमात्रतः ॥

॥ धृति श्रीमनसास्तोत्रम् ॥


हे लक्ष्मी यत्न मनसा देवी का मडान् स्तोत्र कडा है ।
जो नित्य भक्तिपूर्वक इसे पढता या सुनता है
उसे साँपों का भय नहीं होता और विष भी अमृत हो जाता है ।
उसके वंश में जन्म लेनेवालों को इसके श्रवण
मात्र से साँपों का भय नहीं होता ।

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

.. sarpabhayanAshaka manasAstotram ..

Searchable pdf was typeset using XeTeXgenerateactualtext feature of Xe_{La}TeX 0.99996

on August 20, 2017

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

